आरती श्री राधाजी की

आरती श्री वृषभानुलली की ।
सत-चित आनन्दकन्द कली ती ।। टेक ।।
भयभुज्जनि भवसागर-तारिणी,
पाप-ताप कलि-कल्मष हारिणी,
दिव्यधाम गोलोक विहारिणी,
जगपालिनी जगत् जननि की ।। आरती () ।।
अखिल विश्व आनन्द विधायिनी,
मंगलमयी सुमंगल दायिनी,
नन्दनन्दन पद प्रेम प्रदायिनी,
अमिय-राग-रस रंग-रली की ।। आरती () ।।
नित्यानन्दमयी आह्लादिनी,
आनन्दघन आनन्द प्रसादिनी,
रसमयि, रसमय मन-उनमादिनि,
सरस कमलिनी कृष्ण-अली की ।। आरती () ।।
नित्य निकुंजेश्वरि रासेश्वरि,
गोपिगणाश्रयि गोपिजनेश्वरि,
विमल विचित्र भाव-अवली की ।। आरती () ।।

विवरण

जिनका मन बड़ा ही सुन्दर है एवं जो हमेशा प्रसन्नचित दिखाई दैती हैं तथा जो वृषभानु की प्रिय पुत्री हैं, ऐसी राधा जी की हम आरती करते हैं ।

ये हमारे सभी पापों का नाश करके, हमें भवसागर पार लगाती हैं, अर्थात, हमारे मन में जो जन्म - मरण का भय पैदा हुआ रहता है, उसे खत्म करके हमें मोक्ष प्रदान करती हैं तथा अद्भुत धाम गायों के लोक (गोकुल) में भ्रमण करने वाली हैं एवं पूरे संसार का पालन करती हैं

तथा सम्पूर्ण जग की माता भी हैं । पूर्ण विश्व के सुख की आप स्त्रोत हैं एवं हमेशा मंगल करने वाली हैं ।

आपकी सेवा से हमें श्री कृष्ण के चरणों का अनुराग भी प्राप्त हो जाता है ।
आपके हृदय में अपने सेवकों के प्रति प्रेम का सागर बहता रहता है तथा आप हमेशा आनन्द की मूर्ति के समान दिखने वाली हैं । आप अपने प्रेम से हमारे मन को उन्मत्त (प्रेम से भाव - विभोर) बना देती हैं ।

आप सुन्दर से छोटे से दिखने वाले श्री कृष्ण की सखी हैं तथा लता एवं वृक्षों (प्रकृति) की रानी हैं, श्री कृष्ण के साथ मिलकर रास रचाने वाली हैं तथा श्री कृष्ण के प्रेम के रूप में भी आप ही हैं । सभी गोपियों को आश्रय देनेवाली हैं तथा सभी गोपियों में आप श्रेष्ठ हैं । आपके निर्मल एवं अद्‌भुत भावों का समूह निराला है ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.